

वीर सावरकर

प्रलिमिस के लिये:

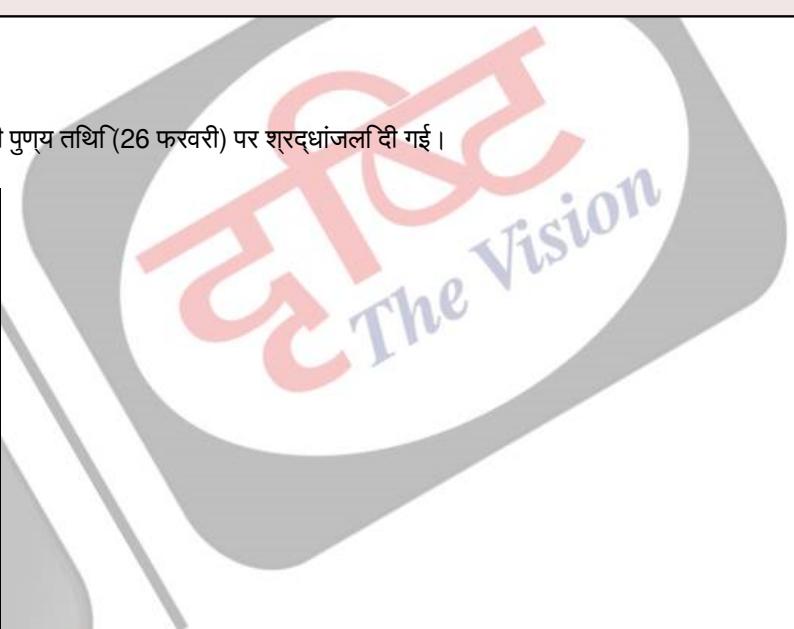
वीर सावरकर, मॉर्ले-मटो सुधार (भारतीय परिषद अधनियम 1909), अभनिव भारत सोसाइटी, इंडिया हाउस, फ्री इंडिया सोसाइटी, हृदि महासभा।

मेन्स के लिये:

सवतंत्रता संग्राम में वीर सावरकर की भूमिका।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा सवतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को उनकी पुण्य तथि (26 फरवरी) पर शरद्धांजलि दी गई।



प्रमुख बद्दि

वीर सावरकर के बारे में:

- **जन्म:** इनका जन्म 28 मई, 1883 को महाराष्ट्र के नासकि ज़िले के भागुर ग्राम में हुआ था।
- **संबंधित संगठन और कार्य:**
 - उन्होंने अभनिव भारत सोसाइटी नामक एक भूमित सोसाइटी (Secret Society) की स्थापना की।
 - सावरकर यूनाइटेड कंग्रेस गए और इंडिया हाउस (India House) तथा फ्री इंडिया सोसाइटी (Free India Society) जैसे संगठनों से जुड़े।
 - वे वर्ष 1937 से 1943 तक हृदि महासभा के अध्यक्ष रहे।
 - सावरकर ने 'द हस्तिरी ऑफ द वार ऑफ इंडियन इंडिपिंडेंस' नामक एक पुस्तक लखी जिसमें उन्होंने 1857 के सपिही वदिरोह में इस्तेमाल किये गए छापामार युद्ध (Guerilla Warfare) के तरीकों (Tricks) के बारे में लखा था।
 - उन्होंने 'हृदि कौन है?' पुस्तक भी लखी।
- **मुकदमे और सज़ा:**
 - वर्ष 1909 में उन्हें [मॉर्ले-मटो सुधार \(भारतीय परिषद अधनियम 1909\)](#) के खिलाफ सशस्त्र वदिरोह की साजशि रचने के आरोप में गरिफ्तार किया गया।
 - 1910 में क्रांतिकारी समूह इंडिया हाउस के साथ संबंधों के लिये गरिफ्तार किया गया।

- सावरकर पर एक आरोप नासकि के कलेक्टर जैक्सन की हत्या के लिये उकसाने का था और दूसरा भारतीय दंड संहति 121-ए के तहत राजा (सम्राट) के खिलाफ साजशि रचने का था।
- दोनों मुकदमों में सावरकर को दोषी ठहराया गया और 50 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई, जसके काला पानी भी कहा जाता है, उन्हें वर्ष 1911 में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सेलुलर जेल ले जाया गया।

अभनिव भारत सोसाइटी (यंग इंडिया सोसाइटी):

- यह वर्ष 1904 में वानियक दामोदर सावरकर और उनके भाई गणेश दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित एक भूमिगत सोसाइटी (Secret Society) थी।
- प्रारंभ में नासकि में मतिर मेला के रूप में स्थापित समाज कई क्रांतिकारियों और राजनीतिकि कार्यकरताओं के साथ भारत तथा लंदन के विभिन्न हसिसों में शाखाओं से जुड़ा था।

इंडिया हाउस:

- इसकी स्थापना श्यामजी कशिन वर्मा ने वर्ष 1905 में लंदन में की थी।
- इसे लंदन में भारतीय छात्रों के बीच राष्ट्रवादी विचारों को बढ़ावा देने के लिये खोला गया था।

फरी इंडिया सोसाइटी:

- सावरकर वर्ष 1906 में लंदन गए। उन्होंने जल्द ही इटैलियन राष्ट्रवादी ग्रूप माज़नी (सावरकर ने माज़नी की जीवनी लखी थी) के विचारों के आधार पर फरी इंडिया सोसाइटी की स्थापना की।

हंदू महासभा:

- अख्लि भारत हंदू महासभा (Akhil Bharat Hindu Mahasabha) भारत के सबसे पुराने संगठनों में से एक है, इसका गठन वर्ष 1907 में हुआ था। प्रतिष्ठित नेताओं ने वर्ष 1915 में अख्लि भारतीय आधार पर इस संगठन का वस्तिर किया।
- इस संगठन की स्थापना करने वाले और अख्लि भारतीय सत्तरों की अध्यक्षता करने वाले प्रमुख व्यक्तियों में पंडित मदन मोहन मालवीय, लाला लाजपत राय, वीर वानियक दामोदर सावरकर आदि शामिल थे।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/veer-savarkar-1>